मौजा (मुरारपुर

रेंट रौल कार्यालय अंचल अधिकारी, नगर (गया)

थाना नं0 05 थाना सिविल लाइन जिला गया ।

क्र0	रैयत का नाम एवं पता, जिसका नाम जमाबंदी सृजन कर रसीद निर्गत करना है ।	भूमि का विवरण, जिसकी जमाबंदी कायम होता है ।			लगान दर राशि एवं बकाया वर्ष	वाद संख्या स्वीकृत प्रदान करने वाले पदाधिकारी एवं आदेश की तिथि	वर्ष	अभ्युक्ति
		खाता	खेसरा	रकवा (एकड़ में)				
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	महबूब अजीज काजमी वो मसूद काजमी पिता- स्व० सैयद अजीज काजमी सा० वर्टाइट हाउस रोड नं० - 04 थाना - सिविल लाइन जिला - गया	36 36	3000/5654 3000/5654	1250 अर 1250 अर	प्रस्तावित भूमि का भो० 1000= रुपये हजार रुपये प्रति एकड़ अलावे सेस कि दर से जमींदारी उन्मूलन की तिथि से लगान देय होगा।	लगान निर्धारण वाद सं० 19/2014-15, भूमि सुधार उप ज्याहर्ता, सदर, गया का आदेश दिनांक 16-12-14 एवं उनके पत्रांक 871/भू०, मू०कु०, दिनांक 16-12-14 से स्वीकृत	2014-15	

GOVT. OF BIHAR
REGISTRATION EXCISE & PROHIBITION DEPT
GAYA SCORE, GAYA
COURT FEE
Authorization No. 2630
भारत
STAMP DUTY
00000
Rs 0000005
13.2.2017
INDIA
375257
BIHAR
बिहार
JUDICIAL
5010 8011563

अंचल अधिकारी,
नगर ।

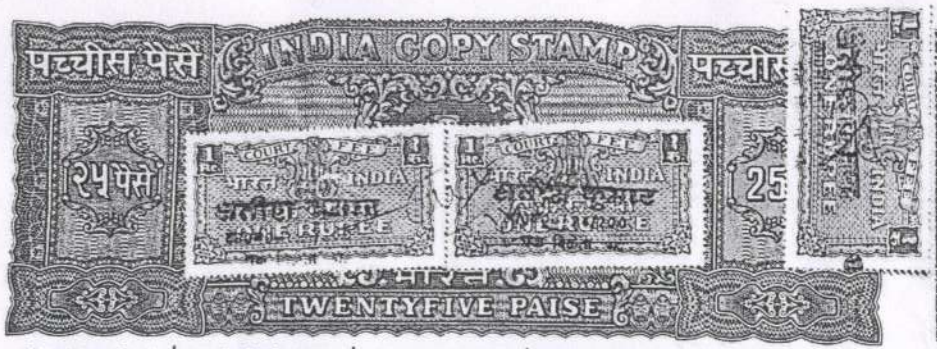



प्रतिलिपि के लिए आवेदन की तारीख Date of application for the copy.	स्टाम्प और फोलियो की अपेक्षित संख्या सूचित करने की निश्चित तारीख Date fixed for notifying the requisite number of stamps and folios.	अपेक्षित स्टाम्प और फोलियो देने की तारीख Date of delivery of the requisite stamps and folios.	तारीख, जबकि देने के लिए प्रतिलिपि तैयार थी Date on which the copy was ready for delivery.	आवेदक को प्रतिलिपि देने की तारीख Date of making over the copy to the applicant.
13-8-08	14-8-08	14-8-08	14-8-08	16-8-08

...पि के लिए आवेदन की तारीख ...of application for the copy.	स्टाम्प और फोलियो की अपेक्षित संख्या सूचित करने की निश्चित तारीख Date fixed for notifying the requisite number of stamps and folios.	अपेक्षित स्टाम्प और फोलियो देने की तारीख Date of delivery of the requisite stamps and folios.	तारीख, जबकि देने के लिए प्रतिलिपि तैयार थी Date on which the copy was ready for delivery.	आवेदक को प्रतिलिपि देने की तारीख Date of making over the copy to the applicant.

कमल अजावता ट्राफर्ट एनियान कम्पनीपाल सर्वे गर्ड न० १८ नगर निगम ग्राम्या जिला ग्राम्या

तारीख फाइल	जगान पेज	फाल नम्बर	नाम ईसल पिता का नाम जाति एवं पार्ट स्थान	ईसेस्य नम्बर	पौधी	लिक्स जमीन	मिश्रण नम्बर	मन्तव्य	जगान मोनाफिक	जमेदार
X	बिहार सरकार	34	डा० सैयद अजीजुर रहमान कानूनी पिता मौलवी सैयद मोहम्मद काजीम साहब जाति मुसलमान निवासी होवाडुर हाउस कम्पाउन्ड गया	3000 / 4648 के अंश २७ ग. ध न ह ज 1		मकान पक्का	1625		२८-१२ कनाल १० धूर जमीन अलावे खेस	कायमी
						साहन पक्का	0020			
						साहन	0125			
						फुलवारी	0260			
						साहन	0165			
						साहन पक्का	0240			
						फुलवारी	0035			
							220			

प्रतिलिपि कागजात प्र 14/8/08

14/8/08

Scanned with OKEN Scanner

नाम मोकिरा – मोसेमात बीबी जुबैदा खातून जौजा गुलाम मुस्तफा अंसारी मरहूम कौम शेख अंसारी साकिन महल्ला मारुफ़गंज हाल मुकाम महल्ला करीमगंज प्रगना व जिला गया ब एलाका थाना सिविल लाईन गया पेशादारा तेजारत।

नाम मोकिर एलै – डॉo सय्यद अजीजुर्रहमान काजमी वल्द मोलवी सय्यद मोहम्मद काजिम साहब मरहूम कौम सय्यद हिस्सा 8 आना साकिन महल्ला व्हाइट हाउस कम्पाउन्ड गया प्रगना जिला गया थाना सिविल लाईन गया पेशादार डॉक्टरी व काश्तकारी।

किसिम दस्तावेज – केबाला बयला कलामी

तायदाद जरे समन – मुबलिग 30,000/- निस्फ़ 15,000/- रुपया।

सराहत शै मुबईया – 8 आना दारोबस्त 16 आना किता बंगला पोखता छत्तेदार बोसीदा खस्ता जुमला मय जमीन मोतल्लिक बंगला व जुमला लवाजमात चस्पीदा बंगला जिसका सदर फाटक पूरब रुख है मय हक सुकूनत व हक मकाबजत व हक असाइश व जुमला दरखतान समरा व गैर समरा अंदरूनी बंगला मोसल्लम अंदरूनी व बयरूनी के और मोसल्लम एराजी मवाजी 33 डीo मिनजुमला 66 डीo जिसके हर चहार तरफ चहार दीवारी यानि बॉन्डरी वाल वाके महल्ला करीमगंज मिनमहलात कस्बा साहबगंज प्रगना व जिला गया थाना सिविल लाईन गया जिसका होल्डिंग नo 102 साबिक व 124 मौजूदा व दरे मौजूदा होल्डिंग नo 129 मौसूमा डेलहा गुसूलखाना रोड चकबिहता ला खेराज अज रकबा पहसी मुरारपूर जिला गया जिसकी रजिस्ट्री व सदर रजिस्ट्री व कॉलेकट्री व म्यूनिसपेलती व मुंसिफ़ी गया है व दीगर पूरी सराहत ब जैल

वसीका हाजा दर्ज कि जाति है अजाँ हकीयत खरीदारी खास मोकिरा व टैक्स मोसल्लम सालाना म्यूनिसपेलटी मुबलिग 184 रुपया 72 पैसा व मुंहरफा मालगुजारी मुबलिग 15 रुपया 62 पैसा मय सेस अंदर जमींदारी बिहार स्टेट अंचल ऑफिस पश्चिमी सदर गया तौजी नo 2494 वार्ड नo 4 सराहत मोसल्लम जिस में निस्फ़ बय होता है।

खाता	प्लॉट	ए डी	उत्तर	दक्षिण	पूरब	पश्चिम
118	193	33 मिनजुमला 66	बंगला मोसेमात बीबी हफीजन	सड़क सरकारी	सड़क सरकारी	सेवा नगर

<u>दीगर तसरिहात वसीका हाजा –</u>

1. अज अजाँ के दारोबस्त 16 आना किता मकान मौसूमे बंगला मुंफर्जा सरनामा वसीका हाजा को मोकिरा ने बजरिया वसीका केबाला बयला कलामी मोसदके रजिस्ट्री मरकुमे तारीख 15 जनवरी 1966 ईo नविस्ते खली लुर्रहमान उर्फ बुनन जिसका वसीका नo 410 के खरीद कर मालिक मुस्तकिल काबिज दखील चली आती है और मोकिरा सुकूनत पजीर है और हनौज बमहकमा म्यूनिसपेलटी में रजिस्टर डेमांड नाम दर्ज नहीं कराया है।
2. मकान मौसूमा बंगला मोसल्लम 16 आना लाएक अज सरे नव तामीर के है जिससे आमदनी कसीर हो सकती है इस वक्त आमदनी सेवाये मोकिरा के रहने के कुछ नहीं है और मकान के तामीर के लिए मोकिरा के पास

सामान रुपया का नहीं है और मोकिरा मकरुज भी है चंद लोगों का दस्तगरदान कर्ज है जिसका तकाजा शदीद है व वास्ते फरोग तिजारत के भी रुपया कि जरूरत है इसलिए मोकिरा कि दिली ख्वाईश हुई के 16 आना मौसूमा बंगला वसीका हाजा को फरोख्त करके उसके जरे समन को किसी दूसरे के मुनाफा बक्श काम के व जरूरियात मोतसर्हा सदर में लगावे चुनानचे मोकिरा ने एलाने बय का ब मशवरा आजादाना मौसूमा बंगला वसीका हाजा चंद जगह चंद असखाश से किया बिल आखिर मोकिर एलै वसीका हाजा उसको ब जरे समन मुबलिग 60,000/- रुपया बिल आखिर मोकिर एलै वसीका हाजा उसको मुबलिग 60,000/- रुपया बईं तसरी बजरिया केबाला 7 जनवरी 1966 मवाजी 8 आना यानि निस्फ़ हिस्सा मुबलिग 30,000/- रुपया के जिसका इकरार रजिस्ट्री तारीख इमरोजा सामिल साथ दीगर केबाला बयला कलामी मरकूमे तारीख 2 मार्च 1966 मवाजी 8 आना यानि निस्फ़ हिस्सा ब जरे समन मुबलिग 30,000/- रुपया के करेंगी अज सरे रौकर 16 आना हिस्सा मकान मौसूमे बंगला के मोतसर्हा सदर वसीका हाजा के खरीदारी पर राजी हुए और कोई दूसरा शक्स देने को तैयार नहीं है जरे समन बिल हाज निरख बाजार बहुत वाजिब व अदल है चुनानचे मोकिरा ने मामला बय का साथ मोकिर एलै के ब जरे समन मुबलिग 30,000/- रुपया बजरिया वसीका नविस्ते मोकिरा 7 जनवरी 1966 जिसकी इकरार रजिस्ट्री तारीख इमरोजा होगी दीगर 30,000/- रुपया बजरिया वसीका हाजा ब तारीख इमरोजा जिसकी इकरार रजिस्ट्री भी आज ही है पोखत पेज कर लिया है मोसल्लम 16 आना मौसूमे किता बंगला मकान मोतसर्हा सरनामा

बजरिया मजकुरुल सदर के केबाला बयला कलामी बनाम बहक मोकिर एलै मौसूफ़ तहरीर व तामील कर देना बहुत जरूरी है।

3. इसलिए मोकिर बहालत सेहत जात व सिबात अक्ल बदुरुस्तगी होश व हवास बिला जब्र कराह दाब नाजाएज तरगीब तहरीस किसी के महज बखुशी खातिर दारोबस्त 16 आना मकान मौसूमे बंगला मोतसर्हा सरनामा वसीका हाजा को मिनजुमला मय जमीन मय जुमला लवाजमात चसपीदा मोतल्लिक बंगला मय दरखतान समरा गैर समरा मय हक सुकूनत व हक मकाबजत व हक असाइश व दीगर जुमला हक व हुकूक मौजूदा व आइंदा व बसता पेवस्ता मौसूमे मकान बंगला बॉन्डरी वाल मय चहार दीवारी जमीन बिला इसतिसनाए फर्द गुजाश्त कि जुज़्व किसी के ब जरे समन मुबलिग 30,000/- जिसका निस्फ़ मुबलिग 15,000/- रुपया होता है बदस्त मोकिर एलै वसीका हाजा के बिला शर्त फिसख खयार के बेचा व बयला कलामी किया व मोकिरा को बवक्त इकरार रजिस्ट्री मुबलिग 10,000/- रुपया रूबरू साहब रजिस्ट्रार के मिल व बकिया मुबलिग 20,000/- रुपया बवक्त तकाबजुल बदलैन वसीका हाजा वसूल पाया अस सरे रौकर तमाम कमाल जरे समन मोकिरा को मोकिर एलै से वसूल व बेबाक हो गया अब एक खैर मोहरा बाकी नहीं रहा मोकिरा ने मोकिरा एलै को मकान मौसूमे बंगला मोतसर्हा सरनामा वसीका हाजा शै मुबईया पर बराए द्वाम ब हैसियत कामिल मालिक मुस्तकिल काबिज दखील गरदाना।

4. जो कुछ हक हकीयत मोकिरा को अंदर शै मुबईया मोतसर्हा सरनामा वसीका हाजा के हासिल थी वो सुब पोखता बिला कम काश्त मोकिरा से जायल साकित हो कर मोकिर एलै में मुंतकिल हो गई मोकिर एलै नाम

अपना ब एखराज नाम मो० खली लुर्रहमान मुंदर्ज मयूनेसपेलती दर्ज करा लेंगे और ब हकीयत कामिल मुस्तकिल काबिज दखील रहकर मकान मौसूमा बंगला मजकूर को अस सरे नव तामीर करे या जो रदो बदल मुनासिब समझे अमल में लावें व खुद सुकूनत पजीर हो या किराया पर करें जो नज़्म व इंतेजाम मुनासिब समझें अमल में लावें उसमे मोकिरा व वारिसान कायम मकामियाँ मोकिरा को कोई उजुर व एतराज नहीं होगा।

5. मोकिरा ख्वाह वारिसान कायम मकामियाँ मोकिरा अगर किसी वक्त किसी बयान व उनवान से कोई दावा मखासमा निस्बत हकीयत ख्वाह कब्ज दखल ख्वाह अदम वसूली जरे समन ख्वाह किसी दीगर उमूर साथ मोकिर एलै व वारिसान कायम मकामियाँ मोकिर एलै के नहीं करे अगर करे तो ब मुकाबला वसीका हाजा नाजाएज कुल अदम व बेअसर होगा।

6. मोकिरा ने मोकिर एलै को यकीन दिलाया है व बावर कराया है के शै मुबईया जुमला खलिशात नुक्स हकीयत व बार दैन से पाक व साफ है काश्त कोई भी हकीयत जाहिर व साबित हो जिसकी वजह कर जुज़्व या कुल शै मुबईया कब्ज दखल से मोकिर एलै के निकाल जाये तो मोकिर एलै मस्तहक पाने जुज़्व या कुल जरे समन जैसी सूरत पैदा हो मय जुमला खलिशात व बार दैन तावान अखराजात मोकिरा व वारिसान कायम मकामियाँ मोकिरा से होंगे और कोई अगर बार दैन जाहिर साबित हो जिसकी वजह कर मोकिर एलै को ब नजरे इस्तहफाज हकीयत कुछ रुपया अदाए करना पड़े तो मोकिर एलै मुसतहक पाने मोसल्लम जरे मोअददा मय सूद ब हिसाब फीसद मुबलिग 1 रुपया माहवारी के जात व जायदाद नामी व बेनामी मनकुला गैर मनकुला से मोकिरा के अज रोज अदाएकारी तयौमुल वसूल मोकिरा व वारिसान कायम मकामियाँ मोकिरा के होंगे।

7. मोकिरा ने जुमला मजामीन वसीका हाजा पढ़वा कर सुन लिया है व ब खूबी समझ बुझ लिया है और उसके नताएज व असर से बखूबी वाकिफ हो गई है मोकिरा व वारिसान कायम मकामियाँ मोकिरा को हक एनेह राफ़त वर्जी का किसी मजमून वसीका हजा से किसी वक्त किसी बयान उनवान से नहीं होगा।

8. वाजेह रहे के बजरिया 2 केबाला जात मोसल्लम 16 आना मौसूमे मकान बंगला ब तारीख इमरोजा ब जरे समन मुबलिग 30,000/- रुपया बदस्त मोकिर एलै वसीका हाजा मोकिरा फरोख्त कर रही है और खाता न० व खसरा न० सही-सही मुंदर्ज है काश कोई गलती पाई जाए तो वो असली सराहत खाता प्लॉट पर मबनी होगा एलैहदा से कोई दस्तावेज तहरीर तामील करने कि जरूरत बाकी नहीं रही।

9. नफ़फाज वसीका हाजा सिब्त दस्तखत व इकरार रजिस्ट्री से मोतसौवुर होगा इस वास्ते केबाला बयला कलामी हाजा बखुश रजाए रगबत के मोकिरा ने बहक मोकिर एलै मौसूफ़ लिख दिया कि वक्त पर काम आवे-फकत।

तहरीर तारीख – 02 माह मार्च 1966 ई० चहार सम्बा

मुताबिक 9 जीकादा 1385 हिजरी।

कातिब – हाफिज मोहम्मद अबु सईद वसीका नवीस, गया। ब हिदायत मोकिर लिखा मजमून मोकिर को पढ़ कर सुना व समझा दिया ब० क० खास।

अल अब्द मोसेमात बीबी जुबैदा खातून केबाला बयला कलामी लिखा मजमून पढ़कर व पढ़वाकर सुन व समझ दिया। जरे समन मुबलिग 30,000/- रुपया ब मुजीब तहरीर वसीका के वसूल पाया।

- गवाह – मो० कमरुद्दीन वसीका नवीस साकिन महल्ला व्हाइट हाउस, गया
- गवाह – मो० गुलाम मूर्तजा महल्ला मारुफ़गंज, गया
- गवाह – मो० मोइन उद्दीन व्हाइट हाउस, गया
- गवाह – पारस नाथ, गया
- गवाह – एस एम नसी उद्दीन व्हाइट हाउस, गया
- गवाह – इरशाद अली खाँ, मारुफ़गंज गया
- गवाह – इबरार इमाम , किरानी घाट गया

Compared and Translated from URDU in HINDI by Human Haruqwee Ed 16/11/2023

नाम मोकिरा – मोसेमात बीबी जुबैदा खातून जौजा गुलाम मुस्तफा अंसारी मरहूम कौम शेख अंसारी साकिन महल्ला मारुफ़गंज हाल मुकाम महल्ला करीमगंज प्रगना व जिला गया ब एलाका थाना सिविल लाईन गया पेशादारा तेजारत।

नाम मोकिर एलै – डॉo सय्यद अजीजुर्रहमान काजमी वल्द मोलवी सय्यद मोहम्मद काजिम साहब मरहूम कौम सय्यद हिस्सा 8 आना साकिन महल्ला व्हाइट हाउस कम्पाउन्ड गया प्रगना जिला गया थाना सिविल लाईन गया पेशादार डॉक्टरी व काश्तकारी।

किसिम दस्तावेज – केबाला बयला कलामी

तायदाद जरे समन – मुबलिग 30,000/- निस्फ़ 15,000/- रुपया।

सराहत शै मुबईया – 8 आना दारोबस्त 16 आना किता बंगला पोखता छत्तेदार बोसीदा खस्ता जुमला मय जमीन मोतल्लिक बंगला व जुमला लवाजमात चस्पीदा बंगला जिसका सदर फाटक पूरब रुख है मय हक सुकूनत व हक मकाबजत व हक असाइश व जुमला दरखतान समरा व गैर समरा अंदरूनी बंगला मोसल्लम अंदरूनी व बयरूनी के और मोसल्लम एराजी मवाजी 66 डीo जिसके हर चहार तरफ चहार दीवारी यानि बॉन्डरी वाल वाके महल्ला करीमगंज मिनमहलात कस्बा साहबगंज प्रगना व जिला गया थाना सिविल लाईन गया जिसका होल्डिंग नo 102 साबिक व 124 मौजूदा व दरे मौजूदा होल्डिंग नo 129 मौसूमा डेलहा गुसूलखाना रोड चकबिहता ला खेराज अज रकबा पहसी मुरारपूर जिला गया जिसकी रजिस्ट्री व सदर रजिस्ट्री व कॉलेकट्री व म्यूनिसपेलती व मुंसिफ़ी गया है व दीगर पूरी सराहत ब जैल वसीका हाजा दर्ज कि जाति है अजाँ हकीयत खरीदारी खास मोकिरा व टैक्स मोसल्लम सालाना

म्यूनिसपेलटी मुबलिग 184 रुपया 72 पैसा व मुंहरफा मालगुजारी मुबलिग 15 रुपया 62 पैसा मय सेस अंदर जमींदारी बिहार स्टेट अंचल ऑफिस पश्चिमी सदर गया तौजी नo 2494 वार्ड नo 4 सराहत मोसल्लम जिस में निस्फ़ बय होता है।

खाता	प्लॉट	ए	डी	उत्तर	दक्षिण	पूरब	पश्चिम
118	193		66	बंगला मोसेमात बीबी हफीजन	सड़क सरकारी	सड़क सरकारी	सेवा नगर

<u>दीगर तसरिहात वसीका हाजा</u> –

1. अज अजाँ के दारोबस्त 16 आना किता मकान मौसूमे बंगला मुंफर्जा सरनामा वसीका हाजा को मोकिरा ने बजरिया वसीका केबाला बयला कलामी मोसदके रजिस्ट्री मरकुमे तारीख 15 जनवरी 1966 ईo नविस्ते खली लुर्रहमान उर्फ बुनन जिसका वसीका नo 410 के खरीद कर मालिक मुस्तकिल काबिज दखील चली आती है और मोकिरा सुकूनत पजीर है और हनौज बमहकमा म्यूनिसपेल्टी में रजिस्टर डेमांड नाम दर्ज नहीं कराया है।
2. मकान मौसूमा बंगला मोतसर्हा सरनामा वसीका हाजा बिल्कुल बेमरामत है और उसको तामीर करने में खर्च कसीर है और बेगैर तामीर के उसकी आमदनी माकूल नहीं हो सकती है और मौजूदा आमदनी बहुत कलील है और मकान कि तामीर के लिए मोकिरा के पास रुपया का सामान नहीं है

और मोकिरा मकरुज भी है चंद लोगों का दस्तगरदान कर्ज है जिसका तकाजा शदीद है व वास्ते फरोग तिजारत के भी रुपया कि जरूरत है इसलिए मोकिरा कि दिली ख्वाईश हुई के 16 आना मौसूमा बंगला वसीका हाजा को फरोख्त करके उसके जरे समन को किसी दूसरे के मुनाफा बक्श काम के व जरूरियात मोतसर्हा सदर में लगावे चुनानचे मोकिरा ने एलाने बय का ब मशवरा आजादाना मौसूमा बंगला 8 आना वसीका हाजा चंद जगह चंद असखाश से किया बिल आखिर मोकिर एलै वसीका हाजा उसको ब जरे समन मुबलिग 30,000/- रुपया के खरीदारी पर राजी हुए और कोई दूसरा शक्स देने को तैयार नहीं है जरे समन बिल हाज निरख बाजार बहुत वाजिब व अदल है चुनानचे मोकिरा ने मामला बय का साथ मोकिर एलै के ब जरे समन मुबलिग 30,000/- रुपया पोखत पज कर लिया है व मुबलिग 5000/- रुपया बतौर बय बियाना के मोकिरा ने मोकिर एलै से ले लिया है इसलिए वसीका केबाला बयला कलामी हाजा तहरीर व तामील कर देना बहुत जरूरी है।

3. इसलिए मोकिर बहालत सेहत जात व सिबात अक्ल बदुरुस्तगी होश व हवास बिला जब्र कराह दाब नाजाएज तरगीब तहरीस किसी के महज बखुशी खातिर दारोबस्त 16 आना मकान मौसूमे बंगला मोतसर्हा सरनामा वसीका हाजा को मिनजुमला मय जमीन मय जुमला लवाजमात चसपीदा मोतल्लिक बंगला मय दरखतान समरा गैर समरा मय हक सुकूनत व हक मकाबजत व हक असाइश व दीगर जुमला हक व हुकूक मौजूदा व आइंदा व बसता पेवस्ता मौसूमे मकान बंगला बॉन्डरी वाल मय चहार दीवारी जमीन बिला इसतिसनाए फर्द गुजाश्त कि जुज़्व किसी के ब जरे समन मुबलिग 30,000/- जिसका निस्फ़ मुबलिग 15,000/- रुपया होता है

बदस्त मोकिर एलै वसीका हाजा के बेचा व बयला कलामी किया व मिनजुमला जरे समन मुबलिग 5,000/- रुपया मोकिरा बतौर बय बियाना के वसूल हुआ उसमे मोजर्रा महसुब किया व बकिया मुबलिग 25,000/- रुपया बवक़्त इकरार रजिस्ट्री नकद वसीका हाजा वसूल पाया अस सरे रौकर तमाम कमाल जरे समन मोकिरा को मोकिर एलै से वसूल व बेबाक हो गया अब एक खैर मोहरा बाकी नहीं रहा मोकिरा ने मोकिरा एलै को मकान मौसूमे बंगला मोतसर्हा सरनामा वसीका हाजा शै मुबईया पर बराए द्वाम ब हैसियत कामिल मालिक मुस्तकिल काबिज दखील गरदाना।

4. जो कुछ हक हकीयत मोकिरा को अंदर शै मुबईया मोतसर्हा सरनामा वसीका हाजा के हासिल थी वो सब पोखता बिला कम काश्त मोकिरा से जायल साकित हो कर मोकिर एलै में मुंतकिल हो गई मोकिर एलै नाम अपना ब एखराज नाम मो० खली लुर्रहमान मुंदर्ज मयूनेसपेलती दर्ज करा लेंगे और ब हकीयत कामिल मुस्तकिल काबिज दखील रहकर मकान मौसूमा बंगला मजकूर को अस सरे नव तामीर करे या जो रदो बदल मुनासिब समझे अमल में लावें व खुद सुकूनत पजीर हो या किराया पर करें जो नज़्म व इंतेजाम मुनासिब समझें अमल में लावें उसमे मोकिरा व वारिसान कायम मकामियाँ मोकिरा को कोई उजुर व एतराज नहीं होगा।
5. मोकिरा ख्वाह वारिसान कायम मकामियाँ मोकिरा अगर किसी वक्त किसी बयान व उनवान से कोई दावा मखासमा निस्बत हकीयत ख्वाह कब्ज दखल ख्वाह अदम वसूली जरे समन ख्वाह किसी दीगर उमूर साथ मोकिर एलै व वारिसान कायम मकामियाँ मोकिर एलै के नहीं करे अगर करे तो ब मुकाबला वसीका हाजा नाजाएज कुल अदम व बेअसर होगा।

6. मोकिरा ने मोकिर एलै को यकीन दिलाया है व बावर कराया है के शै मुबईया जुमला खलिशात नुक्स हकीयत व बार दैन से पाक व साफ है काश्त कोई भी हकीयत जाहिर व साबित हो जिसकी वजह कर जुज़्व या कुल शै मुबईया कब्ज दखल से मोकिर एलै के निकाल जाये तो मोकिर एलै मस्तहक पाने जुज़्व या कुल जरे समन जैसी सूरत पैदा हो मय जुमला खलिशात व बार दैन तावान अखराजात मोकिरा व वारिसान कायम मकामियाँ मोकिरा से होंगे और कोई अगर बार दैन जाहिर साबित हो जिसकी वजह कर मोकिर एलै को ब नजरे इस्तहफाज हकीयत कुछ रुपया अदाए करना पड़े तो मोकिर एलै मुसतहक पाने मोसल्लम जरे मोअददा मय सूद ब हिसाब फीसद मुबलिग 1 रुपया माहवारी के जात व जायदाद नामी व बेनामी मनकुला गैर मनकुला से मोकिरा के अज रोज अदाएकारी तयौमुल वसूल मोकिरा व वारिसान कायम मकामियाँ मोकिरा के होंगे।

7. मोकिरा ने जुमला मजामीन वसीका हाजा पढ़वा कर सुन लिया है व ब खूबी समझ बुझ लिया है और उसके नताएज व असर से बखूबी वाकिफ हो गई है मोकिरा व वारिसान कायम मकामियाँ मोकिरा को हक एनेह राफ़त वर्जी का किसी मजमून वसीका हाजा से किसी वक्त किसी बयान उनवान से नहीं होगा।

वाजेह हो के वसीका हाजा के दफा 3 जरे समन वसूली में मुबलिग 5,000/- रुपया बवक्त तकाबजुल बदलैन के वसूल होगा मा कबल पोखतगी मय बियाना के नहीं होगा।

8. नफ़फाज वसीका हाजा सिब्त दस्तखत व इकरार रजिस्ट्री से मोतसौवुर होगा इस वास्ते केबाला बयला कलामी हाजा बखुश रजाए रगबत के

मोकिरा ने बहक मोकिर एलै मौसूफ़ लिख दिया कि वक्त पर काम आवे-फकत।

तहरीर तारीख – 07 जनवरी 1966 ई० ब रोज 2 सम्बा।

कातिब – हाफिज मोहम्मद अबु सईद वसीका नवीस, गया। ब हिदायत मोकिर लिखा मजमून मोकिर को पढ़ कर सुना व समझा दिया ब० क० खास।

अल अब्द मोसेमात बीबी जुबैदा खातून केबाला बयला कलामी लिखा मजमून पढ़कर व पढ़वाकर सुन व समझ दिया। जरे समन मुबलिग 30,000/- रुपया ब मुजीब तहरीर वसीका के वसूल पाया।

- गवाह – मो० कमरुद्दीन वसीका नवीस साकिन महल्ला व्हाइट हाउस, गया
- गवाह – मो० गुलाम मूर्तजा महल्ला मारुफ़गंज, गया
- गवाह – मो० मोइन उद्दीन व्हाइट हाउस, गया
- गवाह – पारस नाथ, गया
- गवाह – एस एम नसी उद्दीन व्हाइट हाउस, गया
- गवाह – इरशाद अली खाँ, मारुफ़गंज गया
- गवाह – इबरार इमाम , किरानी घाट गया

Compared and Translated
from URDU to HINDI
by
Human Intelligence
16/11/2023

INDIA NON JUDICIAL

१५० रु. Rs 150

भारत

एक सौ पचास रुपया ONE HUNDRED & FIFTY RUPEES

23

باسمہ تعالیٰ

720.00
600.00
1320.00

Admissible under Rule 21 duly stamped under Sch I Act 1899 sch I Art 23 as amended sect 86 of the B. T. Placing & Debt Trust 1951.
Stamp duty paid under I.S. Act Rs 720.00
Stamp duty paid under B.T. Placing & Debt Trust Act Rs 600.00
Total Rs 1320.00

Inward
Ans 184.00
Ms 5.00
Ms(2) 10.00
199.00
Ms(2) 5.00
P.T.A. 0.37
204.37

2/3/06

2-3-66

2/3

نام مقرہ

مسماۃ بی بی زبیدہ خاتون زوجہ غلام مصطفیٰ انصاری مرحوم قوم شیخ انصاری ساکنہ محلہ معروف گنج و حال مقام محلہ کریم گنج پرگنہ و ضلع گیا بعلاقہ تھانہ سیول لائن گیا پیشہ دار تجارت =

نام مقر الیہ

ڈاکٹر سید عزیز الرحمن کاظمی ولد مولوی سید محمد کاظم صاحب مرحوم قوم سید حصہ ساکن محلہ وھائٹ ہاؤس کمپونڈ گیا پرگنہ و ضلع گیا تھانہ سیول لائن گیا پیشہ دار ڈاکٹری و ہاشکاری

العبد مسماۃ بی بی زبیدہ خاتون وثیقہ قبالہ بیع لا کلای ہذا لکھا و مضمون وثیقہ ہذا پڑھکر و نیز پڑھوا کر سن و سمجھ لیا و زر ثمن مبلغ تیس ہزار روپیہ بموجب تحریر وثیقہ ہذا کے وصول پایا بقلم خاص ۷ جنوری سنہ ۱۹۴۴ء

JUDICIAL

१५० रु. भारत Rs 150

एक सौ पचास रुपया ONE HUNDRED & FIFTY RUPEES

قسم دستاویز

قبالہ بیع لاکلامی

تعداد زر ثمن

مبلغ تیس ہزار روپیہ یعنی مبلغ 30,000/= بعدد ۹۶ ہزار روپیہ 96000/-

صراحت اشیاء مبیعہ مجوزی

آنکہ [illegible] کل [illegible] مورثہ قطعہ بنگلہ پختہ چھدار بوسیدہ وشکستہ محلہ مع زمین متعلق بنگلہ و محلہ [illegible]

جس میں بنگلہ حسن [illegible] بکار باب بود بساز دیگر مع حق آمد و رفت و حق [illegible]

و حق [illegible] و جملہ درختان ثمرہ و غیر ثمرہ اندرون بنگلہ مسلم اندرونی و بیرونی کے

اور مسلم اراضی موازی ۶۶ [illegible] و کل [illegible] بر چہار طرف چہار دیواری لگی

ہوئی [illegible] محلہ [illegible] شیخ [illegible] مالکانہ [illegible] لائسن [illegible]

جس کا [illegible] ۱۰۲ [illegible] و ۱۲۴ [illegible] موجود [illegible] ۱۲۹ [illegible]

[illegible] جناب [illegible] از [illegible] مراد [illegible] حسینی

(بعد [illegible] خانون)
[illegible] خاص ۷ جنوری ۱۹۶۶

[illegible] ۱۹۶۶



150 Rs.

Scanned with OKEN Scanner



بذریعہ وثیقہ مسالہ بیع کے علامی متصدقہ رجسٹری مرقومہ پانچ ۱۵ جنوری ۱۹۶۶ء نوشتہ

محمد خلیل الرحمن عرف بنتن جی کا وثیقہ ۴۱۰ کے خرید کر بحیثیت مالک

مستقل قابض جنگ چلی آتی ہے اور منحصرہ سکونت پذیر ہے اور ہنوز

محکمہ میونسپلٹی میں برجسٹر دیمانڈ نام درج نہیں کرایا ہے

مکان موسومہ بنگلہ متصرفہ سرنامہ وثیقہ ہذا بکلی بے مرمت ہے اور اوس کو تعمیر کرنے میں خرچ

کثیر ہے اور بغیر تعمیر کے اوس کی آمدنی معقول نہیں ہو سکتی ہے اور موجودہ آمدنی

بہت قلیل ہے اور مکان کی تعمیری کیلئے منحصرہ کے پاس روپیہ کا سامان نہیں ہے اور منحصرہ

مقروض بھی ہے چند لوگوں کا دستگردان قرض ہے جس کا تقاضا ہے و واسطے فروغ

تجارت کے بھی روپیہ کی ضرورت ہے اسلئے منحصرہ کی دلی خواہش ہوئی

کہ بہ ہوسیلہ آیہ موسومہ بنگلہ متصرفہ سرنامہ وثیقہ ہذا کو فروخت کرے

البعد سماہ بی بی زبیدہ خاتون
بقلم خاص ۷ جنوری ۱۹۶۶



Scanned with OKEN Scanner



BIHAR

INDIA NON JUDICIAL

१५० रु.

Rs 150

भारत

एक सौ पचास रुपया ONE HUNDRED & FIFTY RUPEES

[illegible]

بلا جبر و اکراہ و ترغیب و تحریص کسی کے محض بخوشی و خاطر خود [illegible]

[illegible] بنگلہ متصرفہ [illegible] کو جملہ [illegible] جملہ [illegible]

جسمیں [illegible] بنگلہ [illegible] مثمرہ و غیر مثمرہ [illegible] حق [illegible]

و حق [illegible] جملہ حق و حقوق [illegible] واسطے [illegible]

بنگلہ [illegible] والی [illegible] چہار [illegible] زیر زمین [illegible] بالائی زمین

[illegible] کی [illegible] کے [illegible] تیس [illegible]

[illegible] نصف [illegible] بدست [illegible]

[illegible] کے بیچا [illegible] کے [illegible] پانچ [illegible]

[illegible] کو بطور [illegible] کے وصول ہوا [illegible] مجرا و محسوب کیا و بقیہ

البعد [illegible] بی بی زبیدہ خاتون

بقلم خاص

۷ جنوری ۱۹۱۶



BIHAR

150 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१५० रु.

Rs 150

भारत

एक सौ पचास रुपया ONE HUNDRED & FIFTY RUPEES

ب مبلغ [illegible] پچیس ہزار روپیہ بوقت [illegible] رجسٹری [illegible] وصول پایا

اور کل تمام و کمال زمین متصرفہ کو مشتری سے وصول و مستاق ہو گیا پاک

جو متصرفہ باقی نہیں رہا و متصرفہ سے مشتری کو مکان مرقومہ بالا متصرفہ [illegible]

[illegible] دوام بحقیت کامل مالک مستقل [illegible]

[illegible]

چونکہ حق و حقیت متصرفہ کو اندر [illegible] متصرفہ [illegible] حاصل تھی

[illegible] متصرفہ سے زائل و ساقط ہو کر مشتری میں منتقل

ہو گئی مشتری نام [illegible] نام محمد خلیل الرحمن عرف [illegible] بائع

متصرفہ مندرج رجسٹری [illegible] اور [illegible] کامل و مستقل

العبد محمد [illegible] زبیدہ خاتون

بقلم خاص [illegible] جنوری سنہ 1944

[illegible]

2-3-33

Scanned with OKEN Scanner



BIHAR

150 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१५० रु.

Rs 150

भारत

एक सौ पचास रुपया ONE HUNDRED & FIFTY RUPEES

قابض جناب ہمکر رضاں موسومہ مقبلہ مذکور کو از سر نو تعمیر کریں یا جو

رد و بدل مناسب سمجھیں عمل میں لاویں و خود سکونت پذیر ہوں

یا کرایہ کریں جو نظم و نسق مناسب سمجھیں عمل میں لاویں اس میں

منحصرہ و مقدمات قائمقامیاں منحصرہ کو کوئی عذر و اعتراض نہیں ہوگا

۵

منحصرہ خواہ مقدمات قائمقامیاں منحصرہ اگر کسی وقت کسی بیان و عنوان سے

کوئی دعوی یا مخاصمہ نسبت حصہ خواہ قبض و دخل خواہ عدم وصولی زرعی

خواہ کسی دیگر امور شائعہ متعلقہ و مقدمات قائمقامیاں متعلقہ کے

نہیں کریں اگر کریں تو مقابلہ و رفع ہذا ناجائز و کالعدم و بے اثر ہوگا

العبد مماۃ بی بی زبیدہ خاتون
بقلم خاص
۷ جنوری ۱۹۹۹

گواہ شد جعفر علی ساکن محلہ نادر گنج ضلع گیا
بقلم خاص


INDIA NON JUDICIAL
१०० रु.
Rs 100
भारत
एक सौ रुपया
ONE HUNDRED RUPEES

100 Rs.

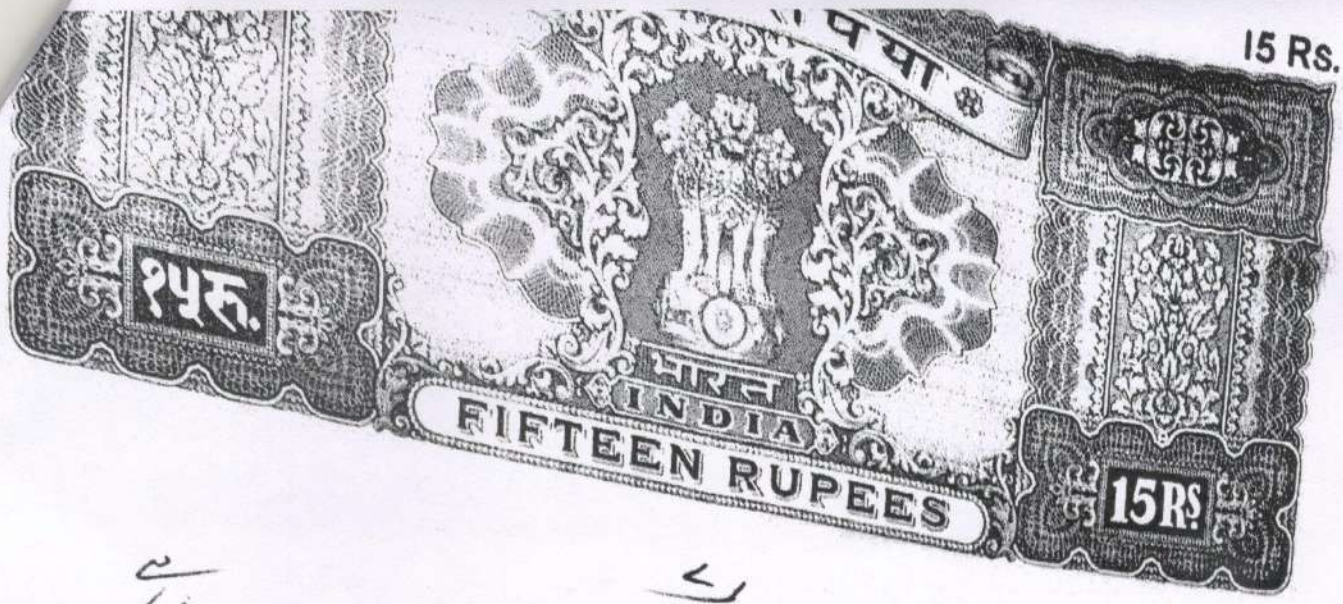

15 Rs.

१५रु.

INDIA

FIFTEEN RUPEES

15 Rs.

۷

منصورہ نے جملہ مضامین وعدہ ہذا پڑھوا کر سن لیا ہے و بخوبی سمجھ و بوجھ لیا ہے

اور اس کے نتائج و آثار سے بخوبی واقف ہو گئی ہیں منصورہ و مدرسان

قائمقامان منصورہ کو حق انحراف و زری کسی مضمون وعدہ ہذا سے

کسی وقت کسی بیان و عنوان سے نہیں ہوگا و واضح ہو کہ وعدہ ہذا کے دفعہ ۳ زر ثمن وصولی

بن سلم صحت ۱۰ ہزار روپیہ بوقت مخالفت اللہ کے وصول ہوگا ما قبل بخشی ہو جانے کے نہیں ہوگا

۸

نفاذ وعدہ ہذا ثبت دستخط و اقرار رجسٹری سے

متصور ہوگا

اس واسطے قبالہ بیع لکھ دی ہے بخوبی رضا

و رغبت کے منصورہ نے بحق مقر اللہ موصوف

العبد مہاۃ بی بی زبیدہ خاتون
بقلم خاص ۷ جنوری ۱۹۴۴

Scanned with OKEN Scanner



BIHAR Amse 50000/- T. Raya 2245 75 Rs.

पछत्तर रुपया

भारत INDIA

७५रु. 75 Rs.

SEVENTY FIVE RUPEES

2137

23

(81)

720.00
600.00
1320.00

باسمہ تعالیٰ

Admissible under Sub 21 duly stamped under the I.S. Act 1899 sch I Am 23 as amended by Act 86 of the B.T. Plaint & Act Trust Act 1951.
Ad. Def. pd under the I.S. Act Rs 720.00
Ad. Def. pd under the B.T. Plaint & Act — Rs 600.00
Total Rs 1320.00

Insd. Paid
Ad. 184.00
Ad. 5.00
Ad. 10.00
199.00

3/3/66

R 2-3-66

نام مقرره

مسماۃ بی بی زبیدہ خاتون زوجہ غلام مصطفیٰ انصاری مرحوم قوم شیخ انصاری ساکنہ محلہ معروف گنج و حال مقام محلہ کریم گنج من محلات قصبہ صاحب گنج پرگنہ و ضلع گیا بعلاقہ تھانہ سیول لائن گیا پیشہ دارہ تجارت

نام مقرر الیہ

ڈاکٹر سید عزیز الرحمن کاظمی ولد مولوی سید محمد کاظم صاحب مرحوم قوم سید ساکن محلہ وہاب ہاؤس کمپونڈ گیا پرگنہ و ضلع گیا محلات قصبہ صاحب گنج بعلاقہ تھانہ سیول لائن گیا حصہ ۵ در وقت سوالیہ کہ

البعد مسماۃ بی بی زبیدہ خاتون وثیقہ قبالہ میں لا کلا می ہذا لکھا و مضمون وثیقہ ہذا پڑھا کر و نیز پڑھوا کر سن و سمجھ لیا و زر ثمن مبلغ تیس ہزار روپیہ ہو جو تحریر وثیقہ ہذا کے وصول پایا بقلم خاص ۲ مارچ سنہ 1966



BIHAR

75 Rs.

पछत्तर रुपया

भारत

INDIA

SEVENTY FIVE RUPEES

७५ रु.

75 Rs.

بیسہ دار ڈاکٹری و ماشکاری =

قسم اسٹاوز

قبالہ بیع لاکلامی =

تعداد زر ثمن

مبلغ بیست تیس ہزار روپیہ نقدی مبلغ ۱۵ پندرہ ہزار روپیہ

صراحت سی مبیعہ

موازی ۸ درویشت سوا آنہ موسومہ قطعہ بنگلہ پختہ چھتدار عملہ معہ زمین متعلق

بنگلہ و جملہ لوازمات چسپیدہ بنگلہ جس کا صدر پھاٹک پورب رخ ہی

معہ حق سکونت و حق مقابلت و حق آسائش و جملہ درختان ثمرہ و غیر ثمرہ

منصوبہ بنگلہ اندرون و بیرون اور اراضی سی مبیعہ موازی ۳۳ دسمک

منجملہ موازی ۶۶ دسمک جس کے چہار طرف احاطہ یعنی دیوار نو بدری

واقع ہے واقع محلہ کریم گنج میں محلات قصبہ صاحبگنج پرگنہ و ضلع گیا

بعلاقہ تھانہ سیول لائن گیا جس کا ہولڈنگ نمبر ۱۰۲ سابق و

البصر مماۃ بی بی زبیدہ خاتون

بقلم خاص حق ۲ مارچ سنہ ۱۹۴۴



BIHAR 75 Rs.

पछत्तर रुपया

भारत INDIA

SEVENTY FIVE RUPEES

७५रु. 75 Rs.

موجودہ ہوگلڈنگ نمبر ۱۲۴ و در موجودہ نیو ہوگلڈنگ نمبر ۱۲۹ موسومہ دلہا غسلخانہ

رود چک بمنتہا لاخراج از رقبہ بہسی مزار پور صاحب جنگلچ گیا رجسٹری

و صدر رجسٹری و کلکٹری و میونسپلٹی گیا ہی و دیگر پوری صراحت بذیل و تبرعہ ہذا

درج کیجاتی ہی از ان حقیقت خریداری خاص مقررہ و ٹیکس سالانہ مسلم

میونسپلٹی مبلغ مالگذاری ۷۲ بنا ہے و متحرفہ مسلم سالانہ مالگذاری مبلغ ۶۲ بنا ہے

معہ سپس اندر زمینداری بہار گورنمنٹ انجل اوفس بچھمی صدر گیا

توزیع نمبر ۲۴۹۴ و اد نمبر ۴ محدود بحدود اربعہ مفصلہ ذیل =

صراحت اراضی شی میعہ

کفایہ	ملحقہ	انکر	دسمل	منجملہ
۱۱۸	۱۹۳	+	۳۳	۶۶ دسمل

مسلم جو جدی شی میعہ

اوپر بنگلہ مسماۃ بی بی حفیظن صاحبہ دکھن سرک سرکاری

پورب سرک سرکاری پچھم سیوانگر

البعد بمہاۃ بی بی زبیدہ خاتون

بقلم خاص ۳ مارچ ۱۹۶۶

گواہ شد غلام مرتضیٰ انصاری

سائن محلہ کرم گنج گیا بقلم خاص ۳ مارچ ۱۹۶۶



BIHAR 75 Rs.

पछत्तर रुपया

भारत INDIA

SEVENTY FIVE RUPEES

७५रु. 75 Rs.

دیگر تصریحات وثیقہ ہذا

۱

از آنجا کہ در ولیت سولہ آنہ قطعہ مکان موسومہ بنگلہ منفرجہ سرنامہ وثیقہ ہذا کو
منمورہ نے بروئے وثیقہ مسالہ بیع کلاں مقدمہ رجسٹری مرقومہ بالغ ۱۵ جنوری ۱۹۶۶ء
نوشتہ محمد خلیل الرحمن عرف بنیں جس کا وثیقہ نمبر ۴۱۰ ہے خرید کر
بحقیت کامل مالک مستقل و بقید خیل جلی آتی ہے اور منمورہ سکونت پذیر ہے
اور نام بمحکمہ میونسپلٹی منمورہ نے ہنوز درج نہیں کرایا ہے

۲

مکان موسومہ بنگلہ مسلم سولہ آنہ لائق از سر نو تعمیر کے ہے جس سے آمدنی
کمتر ہو سکتی ہے اس وقت آمدنی سوائے منمورہ کے رہنے کے کچھ نہیں ہے
اور مکان کے تعمیر کیلئے منمورہ کے پاس سامان روپیہ کا نہیں ہے اور
منمورہ مقروض بھی ہے چند لوگوں کا دستگردان قرض ہے

ابعد مماۃ بی بی زبیدہ خاتون
بقلم خاص ۳ مارچ ۱۹۶۶ء

محمد قمر الدین وثیقہ نویس سامان وہائٹ و ہاؤس مغلوبہ ولیت
بقلم خاص
۲۲ مارچ ۱۹۶۶ء



BIHAR 75 RS.

पछत्तर रुपया

भारत

INDIA

SEVENTY FIVE RUPEES

७५रु. 75 RS.

جس کا ادا کرنا بہت ضروری ہے و فرضداروں کا تقاضا بھی ہے و واسطے

ترقی کاروبار تجارت کے بھی روپیہ کی ضرورت ہے اسلئے مقرہ کی دلی

خواہش ہوئی کہ درویش مولیہ آنہ موسومہ بنگلہ کو فروخت کر کے

اوس زر ثمن کو کسی دیگر نفع بخش کام میں و ضرورت جائز صدر انجام دیں

چنانچہ مقرہ نے اعلان عام بیع کا بمشورہ آزادانہ و بھی بہی خواہان و

فراہمیدان مسلم موسومہ بنگلہ متصرفہ سرنامہ دیکھ ہوا چند جگہ و چند اشخاص کیا

بالآخر مقرالیہ دیکھ ہوا اوس کو بزر ثمن مبلغ ۔۔۔ ساٹھ ہزار روپیہ

بائن تصریح کہ بذریعہ قبالہ بیع مرقومہ تاریخ ۷ ساتویں جنوری ۱۹۶۶ء

موازی ۸ یعنی نصف حصہ بزر ثمن مبلغ ۔۔۔ تیس ہزار روپیہ کے جس کا اقرار

رجسٹری تاریخ اوپر شامل ساتھ دیگر قبالہ بیع لکھا گیا مرقومہ

تاریخ ۲ دوسری مارچ ۱۹۶۶ء موازی ۸ یعنی نصف حصہ بزر ثمن

البعر مماتی بی بی زبیدہ خاتون

بقلم خاص ۳ مارچ ۱۹۶۶